

जगत् का समय

ट्रंप के टैरिफ वार के आगे नहीं झुक सकता भारत



ब्यूरो
नयी दिल्ली। भारत सरकार ने संकेत दिया है कि वह टेक्सटाइल्स और केमिकल्स जैसे क्षेत्रों को निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत प्राथमिकता दे सकती है। अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर इन क्षेत्रों पर बुरी तरह पड़ने की आशंका है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में वाणिज्य मंत्रालय ने संबंधित निर्यातकों के साथ बैठक कर नुकसान का आकलन और संभावित सहायता उपायों पर चर्चा की है। सूत्रों ने बताया कि सरकार

गया है। इसके बाद कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो जाएगा और यह 27 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप सरकार का यह कदम भारत द्वारा रियायती रूसी तेल की खरीद जारी रखने की प्रतिक्रिया में आया है, जो यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद बड़ी है।

बैठक में शामिल निर्यातकों ने वाणिज्य मंत्रालय से कई राहत उपायों की मांग की, जिनमें व्याज सबवेंशन, (नियमित उत्पादों पर करों और शुल्क की रियायत) और (राज्य और केंद्रीय करों की छूट)

प्रभावित क्षेत्रों के लिए बन रहा खास प्लान, नए बाजार की तलाश जारी

जैसी योजनाओं का विस्तार शामिल है। इसके साथ ही लॉबिंग भुगतान की समय पर रिहाई, सरल एंड वां स ऑथराइजेशन मानदंड और पोर्ट शुल्क में कटौती की मांग भी रखी। निर्यातकों ने रोडटेप से जुड़ी चिंताओं को लेकर जीके पिल्लई समिति को भी ज्ञापन सौंपा है। सूत्रों ने बताया कि कई निर्यातकों ने अब वैकल्पिक बाजारों की तलाश शुरू कर दी है। एक उद्योग प्रतिनिधि ने कहा, “विश्व व्यापार अस्थिर है और इस स्थिति में निर्यात विविधीकरण की संभावनाएं हैं। निर्यात संवर्धन परिषदें इस दिशा में काम कर रही हैं और वाणिज्य मंत्रालय भी इसका विश्लेषण कर रहा है।” इसके अलावा, विशेषज्ञों का मानना ​​है कि उच्च टैरिफ के कारण भारतीय उत्पादक घरेलू मांग की ओर अधिक गंभीरता से रुख कर सकते हैं, जिससे आयात में कमी आएगी और देश के व्यापार संतुलन को मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई कर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया

किसी धूर्त की तरह काम नहीं कर सकते, कानून के दायरे में रहें

ईडी पर फिर भड़का सुप्रीम कोर्ट, 500 केस दर्ज और दोष सिद्ध करने की दर 10%

ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने दो टूक कहा कि ईडी किसी धूर्त की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में रहना होगा। ईडी द्वारा दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में 10 फीसदी से भी कम दोषसिद्धि की दर होने को लेकर कोर्ट ने कहा कि वह न सिर्फ लोगों की स्वतंत्रता के बारे में चिंतित है, बल्कि उसे ईडी की छवि की भी चिंता है।

“जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस एनके सिंह की बेंच विजय मदनलाल चौधरी के मामले में दिए गए फैसले के खिलाफ दायर की गई पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान एडिशनल



सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि अभियुक्त को ईसीआईआर की कॉपी उपलब्ध करवाने की कोई बाध्यता नहीं है। जांचकर्ता असमर्थ हैं, क्योंकि मुख्य अभियुक्त कैमन द्वीप जैसी जगहों पर भाग जाते हैं, जिसकी वजह से जांच में अमेरिका की मदद मिलेगी।

एएसजी ने कोर्ट के सामने कहा कि

धूर्त के पास बहुत साधन हैं और जबकि बेवफा जांच करने वाले अधिकारी के पास नहीं होते। इसके जवाब में जस्टिस भुइयां ने कहा, “आप (ईडी) किसी धूर्त की तरह व्यवहार न करें, आपको कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा। मैंने एक सुनवाई के दौरान यह देखा कि आपने लगभग 500 ईसीआईआर

रजिस्टर किए हैं, और दोषी साबित करने की दर सिर्फ 10 फीसदी से भी कम है। इसीलिए हम यह कहते हैं कि आप अपने जांच और गवाहों को बेहतर बनाइए। हम लोग स्वतंत्रता की बात कर रहे हैं। हमें ईडी की छवि की भी चिंता है। पांच-छह सालों तक हिरासत में रखने के बाद अगर लोग बरी हो जाते हैं, तो इसकी भरपाई कौन करेगा?”

सुप्रीम कोर्ट पहले भी ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठा चुका है। पिछले महीने ही चीफ जस्टिस बीआर गवाई ने कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय सारी हदें पार कर रहा है। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अपग्रह किया वह कोई भी ऐसी टिप्पणी न करे जिससे दायरे में रहकर काम करना होगा। मैंने एक सुनवाई के दौरान यह देखा कि आपने लगभग 500 ईसीआईआर

में सुरक्षा और आर्थिक मुद्दों पर भी विस्तार से बातचीत हुई। एक इंटरव्यू के दौरान नेतन्याहू ने कहा, “भारत और अमेरिका दो बेहतरीन दोस्त हैं। दोनों देशों के बीच इतनी गहरी दोस्ती है कि किसी भी समस्या का हल आसानी से निकाला जा सकता है।

नेतन्याहू ने भारत के साथ अपने देश के मजबूत रक्षा संबंधों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि भारत ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान इजरायली हथियारों का क्षमता साबित हो चुकी है। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक भीषण आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारत ने एक जवाबी सैन्य अभियान चलाया, जिसका नाम था



— ऑपरेशन सिंदूर। इस ऑपरेशन में भारत ने इजरायल द्वारा निर्मित हार्पी और स्कॉर्ड स्ट्राइकर और जैसे आत्मघाती धाकड़ा उपयोग किया। इन दोनों शक्ति के एयर डिफेंस सिस्टम को सटीक तरीके से निशाना बनाया। इनमें अमेरिकी निगरानी रडार और चीन के एचक्यू-9 मिसाइल सिस्टम भी शामिल थे। इजरायली पीएम ने कहा कि इस

विदेश में पीजी करने वालों को स्कॉलरशिप

दो नये निजी विश्वविद्यालय खुलेंगे, योगी कैबिनेट ने 19 प्रस्तावों को दी मंजूरी



ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विदेश में पढ़ाई करने जाने वाले छात्रों के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार स्कॉलरशिप की व्यवस्था करेगी। इस संबंध में योगी कैबिनेट ने गुरुवार को हुई बैठक में बड़ा निर्णय लिया। योगी कैबिनेट में 19 अहम प्रस्तावों पर चर्चा के साथ ही दो सप्लीमेंटरी प्रस्तावों पर चर्चा हुई। कैबिनेट की बैठक में कुल 19 प्रस्तावों पर मुहर लगी। सरकार ने उच्च शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 19 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें उच्च

शिक्षा से संबंधित चार बड़े प्रस्ताव भी शामिल हैं। सबसे अहम फैसला यह रहा कि अब राज्य सरकार विदेश में मास्टर डिग्री के लिए छात्रों को छात्रवृत्ति देगी। इससे बड़ी संख्या में विदेश पढ़ने जाने वाले छात्रों को लाभ मिलेगा।

योगी कैबिनेट ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर एक नई छात्रवृत्ति योजना को स्वीकृति दी है। इसके तहत हर साल पांच छात्रों को विदेश में मास्टर डिग्री के लिए भेजा जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रति छात्र लगभग 38,480 पाउंड का खर्च आएगा। इसमें आधी राशि राज्य सरकार और आधी राशि ब्रिटेन की एक संस्था वहन करेगी।

लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी अधिनियम में भी संशोधन की कार्य परिषद में अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के वरिष्ठ आचार्यों को भी शामिल किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देते हुए दो नए निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी दी गई है। इसमें वेदांता विश्वविद्यालय, मुजफ्फरनगर और बोधिसत्व केडी विश्वविद्यालय, वाराणसी शामिल हैं। इसके अलावा मथुरा में केडी विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली है।

चुनाव आयोग ने राहुल से कहा हलफनामा दें या झूठे आरोप न लगायें

ब्यूरो

नयी दिल्ली। राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग पर लगातार हमले जारी हैं। वह महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनाव और लोकसभा इलेक्शन में पांडे की आरोप लगा चुके हैं। ताजा मामला कर्नाटक का है। उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक में एक लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए और इस तरह वोटों की चोरी हुई है। अब इस मामले में राहुल गांधी को कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने एफिडेविट भेजा है।

उन्होंने राहुल गांधी से मांग की है कि इस हलफनामे पर साइन कर दें कि वह ब्लॉक के साझीदार राजेंद्र बग्गा के यहां भी ईडी ने रेड की है। आरोप है कि निफॉर्ट के लिए निःशुल्क यात्रा की गई। कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने राहुल गांधी को लेबर कांफ्रेंस में किए गए दावों को लेकर एक पत्र भेजा है। इस पत्र में उन्होंने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जिक्र करते हुए इस शपथ पत्र पर सही आरोप लगा रहे हैं। यदि उनके दावे गलत पाए गए तो फिर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी



के प्रेस कॉन्फ्रेंस में किए गए दावों को लेकर एक पत्र भेजा है। इस पत्र में उन्होंने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जिक्र करते हुए इस शपथ पत्र पर सही आरोप लगा रहे हैं। यदि उनके दावे गलत पाए गए तो फिर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी

मतदाताओं को शामिल करने और पात्र मतदाताओं को बाहर करने का जिक्र किया था। आपसे अनुरोध है कि आप मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के दस्ताखत करने की कहा है। कर्नाटक के सख्त करने के लिए निःशुल्क यात्रा की गई। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी को लेबर कांफ्रेंस में किए गए दावों को लेकर एक पत्र भेजा है। इस पत्र में उन्होंने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जिक्र करते हुए इस शपथ पत्र पर सही आरोप लगा रहे हैं। यदि उनके दावे गलत पाए गए तो फिर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी

रक्षाबंधन : महिलाओं के साथ सहायत्री को मुफ्त यात्रा

लखनऊ। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की महिलाओं के लिए एक विशेष सौगात की घोषणा की है। नगर विकास विभाग के अंतर्गत नगरीय परिवहन निदेशालय द्वारा संचालित सिटी बसें में महिलाओं और उनके साथ यात्रा करने वाले एक सहायत्री के लिए निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। यह सुविधा 8 अगस्त 2025 की सुबह 6:00 बजे से शुरू होकर 10 अगस्त 2025 की रात 12:00 बजे तक लागू रहेगी।

इस पहल का उद्देश्य रक्षाबंधन के त्योहार को और अधिक उत्सवपूर्ण और प्रवेशशील बनाना है। विगत वर्षों में यह सुविधा केवल रक्षाबंधन के दिन महिलाओं तक सीमित थी, लेकिन इस वर्ष इसे तीन दिनों तक विस्तारित किया गया है। साथ ही, इस बार पहली बार महिलाओं के साथ यात्रा करने वाले एक सहायत्री को भी निःशुल्क यात्रा का लाभ मिलेगा। यह कदम खासकर उन परिवारों

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग नहीं रुकेगा सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज की

ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में जस्टिस वर्मा ने कैश कांड को लेकर उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को चुनौती दी थी।

दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनका घर जले नकदी नोट मामले में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। अगर जस्टिस वर्मा अपने पद से इस्तीफा दे देते हैं तो वह महाभियोग का सामना करने से बच जाएंगे। साथ ही उन्हें रिटायर्ड जज के तौर पर पेंशन भी मिलेगी।

जस्टिस वर्मा को अगर महाभियोग के जरिए पद से हटाया जाता है तो उन्हें



पेंशन और अन्य लाभ नहीं मिल पाएंगे। हालांकि वे इस्तीफा देने से पहले ही इनकार कर चुके हैं। जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में महाभियोग का नोटिस दिया जा चुका है। मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में महाभियोग का नोटिस दिया जा चुका है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा के 152 संसदीय ने जस्टिस वर्मा को खिलाफ लगाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए।

वहीं राज्यसभा में 54 संसदीय ने जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि अब तक किसी भी सदन में इस नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया है।



नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया है। जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में महाभियोग का नोटिस दिया जा चुका है। मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में महाभियोग का नोटिस दिया जा चुका है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा के 152 संसदीय ने जस्टिस वर्मा को खिलाफ लगाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए।

वहीं राज्यसभा में 54 संसदीय ने जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि अब तक किसी भी सदन में इस नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया है।

पुतिन इस साल के अंत में भारत आयेंगे

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल के आखिरी हफ्ते में भारत दौर पर आ सकते हैं। रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक, यह जानकारी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने दी है। डोभाल ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात में कहा, अब हमारे बहुत अच्छे रिश्ते बन गए हैं, जिनकी हम कदर करते हैं। हमारे देशों के बीच एक मजबूत साझेदारी है और हम हाई लेवल पर बातचीत करते हैं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की यह पहली मास्को यात्रा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से रूस के साथ भारत के संबंधों पर की गई टिप्पणियों की वजह से ये यात्रा काफी अहम मानी जा रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित



नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाये गये हैं।

केंद्रीय मंत्री किरण रिंजिजू ने गुरुवार को हुई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अहम बैठक के बाद सतारूढ़ गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर अहम जानकारी दी है। किरण रिंजिजू ने बताया है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जे पी नन्दा को एनडीए का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिंजिजू ने बताया कि बैठक में यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। इससे पहले बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है। इससे उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की एकराफा जीत की संभावना और बढ़ गई है। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की ओर से राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह का नाम सामने आ रहा है। वहीं विपक्षी INDIA गठबंधन इस पद के लिए साझा उम्मीदवार उतार सकती है।



भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे है। सरकार राष्ट्रीय हितो की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। लीजिए, अंततोगत्वा अमेरिका ने भारत पर अपना टैरिफ बम फोड़ ही दिया। लेकिन अब भारत क्या जवाबी कार्रवाई करता है, इसपर दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय चीजों पर 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ लगाने का पुनः ऐलान किया। हालांकि, चतुराई पूर्वक ट्रंप ने भारत को दोस्त बताते हुए निज सोशल मीडिया साइट सोशल ट्वरूथ पर किये गए अपने पोस्ट में लिखा है कि यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा। वहीं, अभी तक यह भी साफ नहीं हुआ है कि ट्रंप का यह टैरिफ पहले से लागू 10 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त होगा या उसमें ही समाहित होगा। इसके अलावा, भारत की रूसी मित्रता के लिए जो अमेरिकी जुर्माना लगेगा, वह कितना होगा। बता दें कि ट्रंप ने इससे पहले गत 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे पहले 90 दिनों तक और फिर बाद में 1 अगस्त तक टाल दिया था।

संपादकीय

काशी एक तीर्थ स्थल नहीं,बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रेरणा का केंद्र

काशी सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का वह पवित्र तीर्थ स्थल है, जो बाबा विश्वनाथ की कृपा से आलोकित है। प्राचीन परंपराओं, सभ्यता, अध्यात्म, संस्कृति, लोककथाओं, जीवन-मृत्यु और मोक्ष को अपने आलिंगन में समेटे हुए है। यह नगरी केवल एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि वह आध्यात्मिक केंद्र है। जो श्रद्धालुओं को बाबा विश्वनाथ के प्रति और गहराई से जोड़ती है। काशी की संस्कृति आध्यात्मिकता और भक्ति का ऐसा मिश्रण है, जो इसे सनातन धर्म का अनमोल रत्न बनाता है। काशी समाज को शांति, एकता, पर्यावरण संरक्षण और सनातन मूल्यों के साथ-साथ हमें नैतिकता और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। बाबा विश्वनाथ की काशी, जिसे वाराणसी या बनारस के नाम से भी जाना जाता है, गंगा के पवित्र तट पर बसी काशी, बाबा विश्वनाथ की नगरी, समय की धारा में अडिग खड़ी, सनातन धर्म के मूल्यों और संस्कृति की जीवंतता का प्रतीक है। काशी विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत नगरी है, जिसे स्वयं बाबा विश्वनाथ ने बसाया, जैसा कि स्कंद पुराण के काशी खंड में वर्णित है। यह नगरी सनातन सभ्यता का जीवंत दस्तावेज है, जहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान, कला और धर्म का प्रवाह अखंड रहा है। मानक ट्वेन ने काशी को इतिहास, परंपराओं और किंवदंतियों से भी पुराना बताकर इसकी प्राचीनता को विश्व पटल पर स्थापित किया। काशी की संकरी गलियों, दशाश्वमेध, मणिकर्णिका और अस्सी जैसे घाट, और काशी विश्वनाथ, काव शैरव व संकटमोचन जैसे मंदिर सनातन सभ्यता की गौरवगाथा को जीवित रखते हैं। यहाँ की परंपराएँ, जैसे गंगा स्नान, विश्वनाथ दर्शन, पंचकोशी यात्रा और श्रावण मास में काँवर यात्रा, सनातन धर्म की निरंतरता को दर्शाती हैं। काशी की प्राचीनता केवल भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भी है, जो इसे सनातन का मजबूत स्तंभ बनाती है। काशी आध्यात्मिकता का हृदय है बाबा विश्वनाथ का मंदिर, जहाँ शिवलिंग के रूप में भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। काशी को मोक्षदायिनी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ देह त्यागने वाला प्राणी बाबा विश्वनाथ के तारक मंत्र से मोक्ष प्राप्त करता है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट, जहाँ चिताएँ निरंतर जलती रहती हैं, मृत्यु को एक आध्यात्मिक उत्सव के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यहाँ मृत्यु अंत नहीं, बल्कि आत्मा की मुक्ति का द्वार है। गंगा के घाटों पर होने वाली सायकालीन आरती, जिसमें हजारों दीपों की रोशनी और मंत्रों की गूंज वातावरण को अलौकिक बनाती है, बाबा विश्वनाथ और माँ गंगा के प्रति भक्ति का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती है। काशी केवल हिंदुओं के लिए ही नहीं, बल्कि बौद्धों और जैनों के लिए भी पवित्र है। पास ही स्थित सारनाथ, जहाँ भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया, काशी को वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र बनाता है। बाबा विश्वनाथ की काशी वह स्थान है, जहाँ हर तीर्थयात्री अपनी आत्मा की शांति और परम सत्य की खोज में डूब जाता है। यहाँ का हर मंत्र, हर घंटी की ध्वनि और हर घाट सनातन धर्म के उस दर्शन को जीवित रखता है, जो कहता है आत्मवत् सर्व विश्वति (सब कुछ आत्मा में समाहित है)। काशी की संस्कृति बाबा विश्वनाथ की भक्ति और सनातन परंपराओं से ओतप्रोत है। यहाँ की गलियों में शास्त्रीय संगीत की स्वरलहरियाँ बनारसी साझियों की जरी.जरदोजी और पर्व.त्योहार सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं। बनारस घरानाएँ जो शास्त्रीय संगीत और नृत्य का प्रतीक है, विश्व भर में प्रसिद्ध है। देव दीपावली, जब गंगा के घाट लाखों दीपों से जगमगा उठते हैं, और गंगा महोत्सव काशी की सांस्कृतिक जीवंतता को विश्व पटल पर प्रस्तुत करते हैं। यहाँ का खान-पान, बनारसी पान, कचौड़ी, मलाई यो और ठंडाई, सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है। एक लोककथा के अनुसार, जब भगवान विष्णु ने काशी में तपस्या की, तब बाबा विश्वनाथ ने प्रसन्न होकर उसने को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। काशी वह स्थान रहे। मणिकर्णिका घाट की कथा, जहाँ माता पार्वती का कुंडल गिरा, और काशी विश्वनाथ मंदिर की स्थापना की कहानियाँ काशीवासियों के बीच जीवित हैं। एक अन्य लोककथा में कहा जाता है कि बाबा विश्वनाथ स्वयं काशी की रक्षा के लिए काव शैरव का रूप में यहाँ विचरण करते हैं। ये लोककथाएँ काशी को एक जीवंत आध्यात्मिक कथा का केंद्र बनाती हैं, जो श्रद्धालुओं को बाबा विश्वनाथ के प्रति और गहराई से जोड़ती हैं। काशी वह नगरी है, जहाँ जीवन, मृत्यु और मोक्ष एक ही सत्य के तीन पहलू हैं। यहाँ जीवन गंगा के प्रवाह की तरह निरंतर और गतिशील है, मृत्यु मणिकर्णिका घाट पर एक उत्सव है, और मोक्ष बाबा विश्वनाथ के दर्शन में निहित है। सनातन दर्शन के अनुसार, काशी में मृत्यु अंत नहीं, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा का एक पड़ाव है। मणिकर्णिका घाट पर जलती चिताएँ और गंगा का शांत प्रवाह इस दर्शन को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं। काशी वह स्थान है, जहाँ जीवन और मृत्यु का भेद मिट जाता है, और आत्मा परम सत्य की ओर अग्रसर होती है। यहाँ हर तीर्थयात्री बाबा विश्वनाथ की कृपा से मोक्ष की आकांक्षा लेकर आता है। गंगा स्नान काशी की आध्यात्मिकता का प्राण है। सनातन मान्यता के अनुसार, गंगा का जल पापों का नाश करता है और आत्मा को शुद्ध करता है। दशाश्वमेध, अस्सी और अन्य घाटों पर स्नान करने वाले श्रद्धालु न केवल शारीरिक, बल्कि आध्यात्मिक शुद्धि का अनुभव करते हैं। गंगा स्नान का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, यह सनातन धर्म के उस दर्शन को दर्शाता है, जो प्रकृति और परमात्मा के बीच गहरा संबंध स्थापित करता है। काशी में गंगा स्नान एक ऐसी प्रक्रिया है, जो मनुष्य को उसके भीतर के सत्य से जोड़ती है और बाबा विश्वनाथ के प्रति भक्ति को और गहरा करती है।

अमेरिका के टैरिफ अटैक के बाद भारत के जवाबी कार्रवाई पर नज़र

कमलेश पांडे

भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि, द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो बयान दिया है सरकार उसके असर का स्टडी कर रही है। भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। सरकार राष्ट्रीय हितो की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। लीजिए, अंततोगत्वा अमेरिका ने भारत पर अपना टैरिफ बम फोड़ ही दिया। लेकिन अब भारत क्या जवाबी कार्रवाई करता है, इसपर दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय चीजों पर 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ लगाने का पुनः ऐलान किया। हालांकि, चतुराई पूर्वक ट्रंप ने भारत को दोस्त बताते हुए निज सोशल मीडिया साइट सोशल ट्वरूथ पर किये गए अपने पोस्ट में लिखा है कि यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा। वहीं, अभी तक यह भी साफ नहीं हुआ है कि ट्रंप का यह टैरिफ पहले से लागू 10 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त होगा या उसमें ही समाहित होगा। इसके अलावा, भारत की रूसी मित्रता के लिए जो अमेरिकी जुर्माना लगेगा, वह कितना होगा। बता दें कि ट्रंप ने इससे पहले गत 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे पहले 90 दिनों तक और फिर बाद में 1 अगस्त तक टाल दिया था। वहीं, इस बार ट्रंप ने यह ऐलान भी किया कि भारत रूस से हथियार और तेल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। हालांकि यह जुर्माना कितना होगा, उन्होंने यह अभी साफ नहीं किया। बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ का ऐलान ऐसे

समय किया है, जब कारोबारी समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। इसलिए जानकार ट्रंप के इस ऐलान को भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। लेकिन भारत क्या अमेरिका के टैरिफ के समक्ष घुटने टेक देगा, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, भारत और अमेरिका दोस्त हैं, लेकिन उसके साथ बहुत कम ट्रेड हो रहा है, क्योंकि उसने बहुत ऊंचे टैरिफ लगा रखे हैं। भारत की गैर-आर्थिक कारोबारी बाधाएँ दुनिया में सबसे कठोर हैं। यही नहीं, जब पूरी दुनिया रूस को यूक्रेन में नरसंहार रोकने के लिए कह रही थी, भारत ने तब भी उससे बड़ी मात्रा में हथियार और तेल खरीदा। इसके अलावा चीन के साथ वह सबसे बड़े खरीदार हैं। हालांकि, ट्रंप यह भूल गए कि भारत रूस से बार-बार यह भी कहता रहा है कि यह युद्ध नहीं, बुद्ध का समय है। इसलिए भारत पर थोपे गए इस अमेरिकी टैरिफ के खास मायने हैं, जिसे समझे जाने की जरूरत है। भारत से सबसे अधिक निर्यात अमेरिका को ही होता है। गत जून तक में यूएसए को 829.8 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ था। जबकि साल 2025 में करीब 91 नए टैरिफ दर से इस निर्यात पर बड़ा असर पड़ेगा। इससे भारत के ऑटोमोबाइल्स, टेक्सटाइल्स, लेंदर, जेम्स ऐंड जूेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एग्रो फार्मा सेक्टरों की चीजें अमेरिका में महंगी होगी। हालांकि, बांग्लादेश पर 35 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, कंबोडिया पर 36 प्रतिशत, जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों पर ज्यादा टैरिफ से कम आंच आएगी। वहीं, जहां तक शेयर बाजार में असर का

सवाल है तो चुनौती वाले सेक्टरों से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर असर दिख सकता है। हालांकि इस जवाबी टैरिफ की आशंका पहले से थी। इसलिए कुछ उतार-चढ़ाव के बाद यह स्टेबल हो सकता है, क्योंकि भारतीय इकॉनमी मजबूत स्थिति में है। इसलिए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि, द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो बयान दिया है सरकार उसके असर का स्टडी कर रही है। भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। सरकार राष्ट्रीय हितो की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। वहीं, जानकारों का मानना है कि ट्रंप के ऐलान के बाद भी टैरिफ घटने का चांस है, क्योंकि साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है। हालांकि, इस बातचीत के बीच में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत रिसेप्रोकल टैरिफ लगाने का जो ऐलान किया है, उससे निर्यात पर काफी बड़ा असर पड़ेगा। इसलिए उद्योग संगठनों ने यह चिंता जताई है। उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते पर बातचीत के छठे दौर के लिए अमेरिकी अधिकारियों का दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। जबकि कॉमर्स मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा, ट्रंप ने जो कुछ कहा है, उसमें पेनाल्टी सहित कुछ चीजें साफ नहीं हैं। इसलिए द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत जारी रहेगी। इस बीच मिनी ट्रेड डील का प्रयास भी हो रहा है। यह डील होने पर इसकी शर्तों के मुताबिक टैरिफ लगेगा। इसकी संभावना बनी

हुई है। वहीं, निर्यातकों के संगठन एफआईआईओ के डायरेक्टर जनरल डॉ.अजय सहाय ने कहा है कि, ट्रंप के कदम से अनिश्चितता बढ़ गई है। कितनी पेनाल्टी लगेगी, यह साफ होने तक भारतीय निर्यातक और अमेरिकी आयातक न तो लैंडेंड कॉस्ट का अंदाजा लगा पाएंगे, न ही यह आकलन कर पाएंगे कि टैरिफ के बोझ से किस तरह निपटा जाएगा। इस अनिश्चितता से सप्ताई चेंगे प्लानिंग और प्राइमरी की रणनीति प्रभावित होगी। वहीं, फिक्की (भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ) के प्रेसिडेंट हर्षबर्द्धन अग्रवाल ने ट्रंप के बयान पर निराशा जताते हुए कहा है कि, इस दुर्भाग्यपूर्ण कदम का हमारे एक्सपोर्ट्स पर साफ तौर पर असर पड़ेगा। उम्मीद है कि ज्यादा टैरिफ का दौर छोटा ही रहेगा और दोनों पक्षों के बीच एक स्थायी व्यापार समझौता जल्द हो जाएगा। वहीं, पीएचडीसीसीआई (पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के प्रेसिडेंट हेमंत जैन ने कहा है कि, समय आ गया है कि इंडियन इंडस्ट्री कॉलिटि और कॉम्पिटिटिवनेस के साथ खड़ी हो। चीन और विविधनाम पर इसी तरह के टैरिफ लगाने के साथ भारत को लॉन टर्म ट्रस्ट, विविधता से भरे मार्केट शेयर और भरोसेमंद ग्लोबल पार्टनर के रूप में मजबूत पोजिशनिंग से फायदा होगा। सवाल है कि आखिर अमेरिकी टैरिफ का किस तरह का असर दिखेगा। तो जवाब होगा कि रत्न एवं आभूषण, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, कपड़ा और दवा उद्योगों का मामला ज्यादा अहम है। क्योंकि अमेरिका को कुल निर्यात में इनका हिस्सा 40 प्रतिशत से ज्यादा है। (यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)।

राजनीति का हाल

भारत को ईट का जबाब पत्थर से देना होगा

प्रेम शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी ने गत दिवस वाराणसी में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए भारत के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती का दमदार संदेश दिया। भारत के लिए अपने किसानों, युवाओं और छोटे उद्यमियों की रक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हम किसी भी देश के दबाव में न अपने फैसले बदलेंगे, न अपने संकल्प। यह एक तरह से अमरीका राष्ट्रपति को दो टूक जबाब है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है और इसके लिए वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी उत्पादों के लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। निश्चित रूप से भारत का यह संकल्प अमरीका की आर्थिक स्थिति पर वह चोट पहुंचायेगा जिसकी अमरीका को कल्पना भी नही होगी। मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, भारत को अपने आर्थिक आत्मबल और रणनीतिक नीति-निर्माण पर पूरी तरह ध्यान देना होगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के खिलाफ उठाए गए तीखे व्यापारिक कदमों और विवाचित्त बयानों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने गत दिवस वाराणसी में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए भारत के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती का दमदार संदेश दिया। भारत के लिए अपने किसानों, युवाओं और छोटे उद्यमियों की रक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हम किसी भी देश के दबाव में न अपने फैसले बदलेंगे, न अपने संकल्प। यह एक तरह से अमरीका राष्ट्रपति को दो टूक जबाब है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है और इसके लिए वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी उत्पादों के लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। निश्चित रूप से भारत का यह संकल्प अमरीका की आर्थिक स्थिति पर वह चोट पहुंचायेगा जिसकी अर्थिक स्थिति पर वह चोट पहुंचायेगा जिसकी अर्थिक स्थिति स्थिर ही नहीं, बल्कि लगातार प्रगति की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भले ही कुछ नेता या विदेशी नेता कुछ भी कहें भारत को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रवासियों के खदड़ने की घटना के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अचानक से भारत को लेकर बेहद आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है और यह भी चेताया है कि रूस से व्यापार की एवज में कुछ एक्सट्रा टैक्स भी लगाया जाएगा। ट्रंप का हालिया बयान केवल टैरिफ या व्यापार घाटे से नहीं जुड़ा। इसके पीछे लंबी हताशा और अपनी इमेज बचाने की चिंता है। कई चरण की बातचीत के बावजूद दोनों देशों की ट्रेड डील किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। हर डील अपनी शर्तों पर करने वाले ट्रंप कृषि और डेयरी



हमारी नीतियां दुनिया के लिए उदाहरण बन रही हैं। 2024 में भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज कराई जो वैश्विक औसत से कहीं बेहतर है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 670 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। जो विश्व में सबसे बड़े भंडारों में से एक है। 2024 में भारत का कुल निर्यात 437 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 120 अरब डॉलर का व्यापार अकेले अमेरिका के साथ हुआ। क्या इस आकड़े को अमरीका नजर अन्दाज कर सकता है। 2025-26 के बजट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 2 लाख करोड़ और किसानों के लिए 1.52 लाख करोड़ की सहायता की घोषणा की गई है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक स्थिति स्थिर ही नहीं, बल्कि लगातार प्रगति की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भले ही कुछ नेता या विदेशी नेता कुछ भी कहें भारत को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रवासियों के खदड़ने की घटना के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अचानक से भारत को लेकर बेहद आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है और यह भी चेताया है कि रूस से व्यापार की एवज में कुछ एक्सट्रा टैक्स भी लगाया जाएगा। ट्रंप का हालिया बयान केवल टैरिफ या व्यापार घाटे से नहीं जुड़ा। इसके पीछे लंबी हताशा और अपनी इमेज बचाने की चिंता है। कई चरण की बातचीत के बावजूद दोनों देशों की ट्रेड डील किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। हर डील अपनी शर्तों पर करने वाले ट्रंप कृषि और डेयरी

सेक्टर में अमेरिका के लिए खुली छूट चाहते हैं। ऐसा करना भारतीय किसानों के हित में नहीं होगा और सरकार को इस मामले में बिल्कुल भी नहीं झुकना चाहिए। वैसे भी व्यापार एकतरफा फायदे को देखकर नहीं किया जा सकता। हालांकि दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत के साथ असहमति की जो वजहें गिनाई हैं, उसमें रूस से तेल खरीदना प्रमुख है। वैसे तो 2022 तक भारत की तेल आपूर्ति में रूस का हिस्सा सिर्फ 1 प्रतिशत था। आज यह आंकड़ा 35-40 प्रतिशत है, और जरूरत पड़ने पर इससे पीछे हटना संभव है, क्योंकि अमेरिकी तेल पर पहले जितना फायदे नहीं हो रहा फिर भी यहां बात केवल फायदे नहीं, दो देशों के रिश्तों और हक की भी है। भारत की अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। आखिर अमेरिका ने भी तो उस पाकिस्तान के साथ डील की, जो वैश्विक मंचों पर कई बार आतंकवाद की शरणस्थली साबित हो चुका है। ऐसे में पाक के प्रति अमरीका का लगाव भारत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। वैसे भी ट्रंप न अपने बयानों पर स्थिर रहते हैं और न पॉलिसी पर ऐसे में जिन देशों ने उनके साथ डील की है, उन्हें भी कोई फायदा नहीं हुआ। ब्रिटेन, वियतनाम से डील के बावजूद टैरिफ बढ़ रहा है। इसी तरह ईयू के कई देश नाराज हैं क्योंकि आयात शुल्क औसत 4.8 प्रतिशत से बढ़कर अब 15 प्रतिशत हो चुका है। अब किसी भी सूत्र में टैरिफ की स्थिति पहले वाली नहीं रहेगी। इसलिए भारत को किसी दबाव में नहीं आना चाहिए। भारत को अगर कुछ मामलों में अमेरिका की जरूरत है, तो अमेरिका को भी कई जगह भारत का साथ चाहिए। ऐसे में भारत को ईट का जबाब पत्थर से देना चाहिए और जैसे को तैसा की भूमिका में अडिग रहना होगा। (यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)।

मुद्दा

प्राकृतिक खेती फसलों की पैदावार बढ़ाने मे लाभदायक

राज कुमार सिन्हा

जुताई (मिट्टी को जोतना) से बचने वाली प्राकृतिक खेती को आमतौर पर कम लागत वाली कृषि माना जाता है, क्योंकि इसमें बाहरी इनपुट की आवश्यकता नहीं होती। जैविक खेती को आमतौर पर प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है, जबकि प्राकृतिक खेती के लिए प्रमाणीकरण आवश्यक नहीं है। प्राकृतिक खेती एक ऐसा व्यापक दृष्टिकोण है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि जैविक खेती एक विशिष्ट प्रणाली है जो जैविक इनपुट पर जोर देती है। सेवा-निवृत्ति के बाद प्राकृतिक खेती करने की योजना जलवायु परिवर्तन के लिहाज से खासी महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक और जैविक खेती ऐसी कृषि पद्धति है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ा सकती है। प्राकृतिक खेती से कार्बन उत्सर्जन में 35 फीसदी से 50 फीसदी तक की कमी आ सकती है। प्राकृतिक खेती, जिसे नो-इनपुट या जीरो-बजट खेती कहा जाता है, बाहरी इनपुट (जैसे उर्वरक, कीटनाशक, यहां तक कि खाद) के उपयोग को कम या खत्म करने पर जोर देती है और इसकी बजाय प्राकृतिक प्रक्रियाओं, जैसे कि मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के अपघटन को प्रोत्साहित करती है। जुताई (मिट्टी को जोतना) से बचने वाली प्राकृतिक खेती को आमतौर पर कम लागत वाली कृषि माना जाता है, क्योंकि इसमें बाहरी इनपुट की आवश्यकता नहीं होती। जैविक खेती को आमतौर पर प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है,



जबकि प्राकृतिक खेती के लिए प्रमाणीकरण आवश्यक नहीं है। प्राकृतिक खेती एक ऐसा व्यापक दृष्टिकोण है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि जैविक खेती एक विशिष्ट प्रणाली है जो जैविक इनपुट पर जोर देती है। प्राकृतिक खेती मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों को बढ़ाकर, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करती है और कार्बन डाइऑक्साइड को वातावरण से हटाकर मिट्टी में जमा करती है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बंद करने से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में मदद होती है। प्राकृतिक खेती में मिट्टी की जल-धारण क्षमता में सुधार होता है, जिससे जल-संरक्षण होता है और सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं के प्रति लचीलापन बढ़ता है। प्राकृतिक खेती जैव-विविधता को बढ़ावा देती है और जलवायु परिवर्तन के प्रति फसलों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। विभिन्न प्रकार की फसलों को उगाना, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। वर्षा आधारित स्थायी या टिकाऊ खेती का विज्ञान मूलतः पुनर्क्रण से जुड़ा हुआ है। प्राकृतिक खेती पर हुए शोध दर्शाते हैं कि इस विधि से विपरीत

परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। इस विधि से उगाई फसलें सूखे, अतिवर्षा में भी खड़ी रहती हैं। मिश्रित खेती अपनाने से एक ही खेत में कई फसलें ली जा सकती हैं जिससे किसान को नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस खेती में पानी की खपत बाकी विधियों के मुकाबले 40 प्रतिशत तक कम है और इसमें फसल सुरक्षा के लिए स्थानीय वनस्पतियों को ही प्रयोग किया जाता है। कृषि ग्रीनहाउस गैसों का एक प्रमुख स्रोत है जिससे भविष्य में खाद्य-सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है। जल के बढ़ते उपयोग और सूखे के कारण उत्पादन के लिए पानी की कमी हो सकती है। वैश्विक खाद्य-सुरक्षा पर्याप्त खाद्य-उत्पादन और खाद्य-पहुंच, दोनों पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की आम सहमति है कि 1950 से अब तक जलवायु में व्यापक परिवर्तन हो चुका है और इस सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक औसत तापमान में 0.4 से 2.6 की वृद्धि होने की संभावना है। तापमान और कार्बन डाइऑक्साइड में क्रमिक वृद्धि के परिणामस्वरूप कुछ फसलों की पैदावार बढ़ाने वाली अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन कुछ क्षेत्रों में फूल आने के दौरान होने वाली चरम घटनाओं, विशेष रूप से अत्यधिक गर्मी और सूखे के कारण यह संभावित वृद्धि सीमित हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण 21 वीं सदी में फसल उत्पादन में कमी आने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन वैश्विक कृषि व्यवस्था पर वृहद प्रभाव डालता है। (यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)।

“हर घर तिरंगा” अभियान अन्तर्गत शिक्षण संस्थाओं में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

स्टेट ब्यूरो चीफ अब्दुल नासिर नानपारा बहराइच

बहराइच। प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करते हुए स्वतन्त्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करने के उद्देश्य से शासन द्वारा 15 अगस्त तक 03 चरणों में हर घर तिरंगा अभियान संचालित करने के निर्देश दिये गये हैं। अभियान के प्रथम चरण अन्तर्गत जनपद के स्कूलों, शिक्षण संस्थाओं में तिरंगा राखी बनाने की कार्यशाला व प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में श्री शंकर इंटर कॉलेज नानपारा में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुराग प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के साथ विद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं अभिभावकों को भारत देश की आन बान और शान का प्रतीक तिरंगा वितरित करते हुए पूरे सम्मान के साथ अपने–अपने आवास पर फहराने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान तिरंगा ध्वज पाकर छात्र–छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कालेज की शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर वर्ग के कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं ने राष्ट्रीय ध्वज को हाथ में लेकर एक साथ राष्ट्रगान भी गया। कार्यक्रम के दौरान 13 से 15 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन विद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल एवं सार्थक बनाने का संकल्प भी लिया गया। राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बमनी रिसिया, बहराइच में आज हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत विद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं द्वारा विभिन्न राष्ट्र भक्ति से ओत–प्रोत व मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गयी। छात्राओं द्वारा तिरंगा गोष्ठी, छात्राओं की श्रृंखला में तिरंगा

कृषि यंत्रीकरण योजनान्तर्गत गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न

ई–लॉटरी के माध्यम से चयनित किये गये किसान

स्टेट ब्यूरो चीफ अब्दुल नासिर नानपारा बहराइच

बहराइच। उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में कृषि यंत्रीकरण योजनान्तर्गत गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष वर्ष 2025–26 में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना, प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन सीटू मैनेजमेन्ट आफ क्राप रेजीड्यू (सीआरएम), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एवं नेशनल मिशन ऑन एडिबल आयल योजनान्तर्गत वर्ष 2025–26 में अनुदान पर यन्त्र क्रय करने हेतु 27 जून से 12 जुलाई 2025 तक आनलाइन बुकिंग करने वाले लाभार्थियों का चयन ई–लॉटरी के माध्यम से विकास भवन सभागार बहराइच में आयोजित किया गया।

उप निदेशक कृषि ने बताया कि एसएमएएम योजनान्तर्गत 146 लक्ष के सापेक्ष 352 कृषकों द्वारा बुकिंग किये गये कृषि यन्त्रों के अन्तर्गत 146 किसानों का ई–लॉटरी के माध्यम से विभिन्न कृषि यन्त्रों के लाभार्थियों का चयन किया गया। इसी प्रकार इन–सीटू योजनान्तर्गत 51 लक्ष के सापेक्ष 25 बुकिंग की गयी जिसके सापेक्ष 21 किसानों का चयन किया गया। इसके अलावा नेशनल मिशन ऑन एडिबल आयल योजनान्तर्गत 48 लक्ष के सापेक्ष 25 किसानों की बुकिंग के सापेक्ष 25 किसानों का

रक्षक बने मदाक, दीवानी न्यायलय अधिवक्ता ने लगाए गंभीर आरोप

जिला ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदौरिया बहराइच

जनपद बहराइच के थाना मोतीपुर के अंगर्गत ग्राम लौकाही निवासी पीड़ित अधिवक्ता सलमान खान पुत्र ननकउ खान ने बहराइच जिला पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है, क्या है पूरा मामला, विस्तार से समझें पीड़ित सलमान खान ने मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुए बताया की, चौकी प्रभारी बलई गांव शिवेश शुक्ला (सब इंस्पेक्टर) व विक्रान्त बालियाना (हेड कॉन्स्टेबल),ऋषि (कॉन्स्टेबल) द्वारा, देर रात्रि करीब 120 AM पर पीड़ित दीवानी अधिवक्ता सलमान खान पुत्र ननकऊ खान के घर में बिना इजाजत घुस गए। सलमान खान के वृद्ध माता

आकृति, तिरंगा राखी, मेंहदी प्रतियोगिता व राखी प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्राओं द्वारा आपस में



राखी का बंधन त्योंहार मिल–जुलकर हैंसी–खुशी मनाने का संदेश दिया गया। मेंहदी प्रतियोगिता में जूनियर सदन व सीनियर सदन का गठन किया गया, जिसमें रानी लक्ष्मीबाई सदन से कु. कामना प्रथम रही तथा सरोजनी नायडू सदन की कु. सावनी ने द्वितीय स्थान तथा सीनियर सदन में प्रथम स्थान पर कु. कल्पना ने अपना परचम लहराया तथा रानी अवन्ती बाई सदन की कु. सबा द्वारा द्वितीय स्थान हासिल किया गया।

इसी क्रम में राखी प्रतियोगिता में भी दो सदन बनाये गये प्रत्येक सदन 12–12 छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। जूनियर सदन के रानी अवन्ती बाई ग्रुप की कु. उर्मिला प्रथम, कु. निशा ने द्वितीय स्थान हासिल किया

तथा रानी लक्ष्मीबाई सदन की कु. योग्यता ने तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय में चल रहे राखी प्रतियोगिता

उर्वरक बिक्री केन्द्र ललई बाग का प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण

स्टेट ब्यूरो अब्दुल नासिर

बहराइच। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण से जिला मुख्यालय आते हुए प्रदेश के मा. मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच श्री सूर्य प्रताप शाही ने विकास खण्ड तजवापुर अन्तर्गत बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड, ललईबाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सोसायटी पर कृषक मौजूद थे और उर्वरक की बिक्री की जा रही थी। प्रभारी मंत्री ने मौजूद कृषकों से वार्ता कर खेत खलिहान के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा सोसायटी के अभिलेखों का निरीक्षण कर पूर्व में उर्वरक क्रय करने वाले किसानों से मोबाइल पर वार्ता कर फीड बैक भी प्राप्त किया। श्री शाही ने सचिव को निर्देश दिया कि शासन की मंशानुरूप किसानों का उर्वरक का वितरण किया जाय।

प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने जिले के अधिकारियों के साथ की बैठक

हर घर तिरंगा कार्यक्रम को गरिमापूर्ण तरीके से मनाया जाय उर्वरक की ओवरसेटिंग पर कड़ी कार्यवाही के दिये गये निर्देश कटान व बाढ़ प्रभावित लोगों को त्वस्ति राहत पहुंचायी जाय

जिला ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदौरिया

बहराइच। जनपद के एक दिवसीय भ्रमण पर आये प्रदेश के मा. मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच श्री सूर्य प्रताप शाही ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में बचाव एवं राहत कार्यों की कार्ययंत्री, हर घर तिरंगा कार्यक्रम तथा जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता की समीक्षा की। इस अवसर पर एमएलसी पदमसेन चौधरी व डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, पयागपुर के सुभाष त्रिपाठी, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल, बलहा की श्रीमती सरोज शिक्षण संस्थाओं में छात्र–छात्राओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।



तटबन्धों की सुरक्षा की समीक्षा

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

जिले में स्थापित सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सकों व पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ–साथ दवाओं इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाय।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा संग्रहीत किये गये खाद्य नमूने

जिला ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदौरिया

बहराइच। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ.प्र. व जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर आगामी रक्षाबन्धन पर्व के अवसर पर मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, बहराइच द्वारा चलाये जा रहे अभियान अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की 02 टीम द्वारा बेड़नापुर बाजार में बंगाली स्वीट हाउस के प्रतिष्ठान से पनीर, खोया व पेडा, बंजारी मोड से पेडा, राजू स्वीट्स तिकोनी बाग से बर्फी के नमूने संग्रहीत किये गये। इसी प्रकार पीपल चौराहा, बहराइच स्थित जानकी स्वीट्स से पेडा, मिल्ककेक व टिकोरा मोड, से बर्फी, खोया, पनीर एवं 02 पेडा का नमूना संग्रहित किया गया। दूसरी टीम द्वारा रूपईडीहा, बहराइच से दूध, बर्फी, खोया, सोन पापड़ी का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य विश्लेषक को

प्रेषित किये जा रहे है। इस प्रकार रक्षा बन्धन त्यौहार में अभी तक कुल–34



नमूने संग्रहित किये गये। उपरोक्त खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ–सफाई रखने के निर्देश दिये गये है तथा जागरुकता हेतु स्टीकर चस्पा कराया गया। रक्षा बन्धन त्यौहार को ध्यान में रखते हुए विशेष अभियान जनपद की समस्त तहसीलों एवं बाजारों

में चलाया जा रहा है, जो आगे भी चलाया जाता रहेगा। नमूना संग्रहण

एनडीआरएफ की मोटर बोट से कटान प्रभावित ग्राम जानकीनगर पहुंचे डीएम

जिला ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदौरिया

बहराइच। लगातार हो रही वर्षा के दृष्टिगत नदियों के जल स्तर में हो रही वदोत्तरी के महेनज़र निचले क्षेत्रों में जल भराव जैसी स्थिति का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र के साथ तहसील महसी क्षेत्र का भ्रमण किया। क्षेत्र के भ्रमण के दौरान डीएम ने पूरे प्रसाद से एन.डी.आर.एफ. की मोटर बोट में जल भराव व कटान से प्रभावित क्षेत्रों जानकीनगर, जोधेपुरवा, कोढ़वा, टंच व अन्य ग्रामों व मजरों का भ्रमण कर स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर डीएम ने तहसील प्रशासन महसी को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए स्थिति पर सतर्क दृष्टि बनाये रखें। डीएम ने निर्देश दिया कि जलभराव के कारण ग्रामवासियों को किसी प्रकार की

समस्या न होने पाये। प्रभावित व्यक्तियों को शासन की मंशानुरूप तत्काल राहत पहुंचायी जाय। शरणालय में शिफ्ट किये गये लोगों के लिए भोजन पानी, प्रकाश इत्यादि की समुचित

हेतु गठित टीम में सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. अमर सिंह वर्मा, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार शुक्ल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार वर्मा, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, प्रीती वर्मा, आदित्व वर्मा, अजय सिंह व कृपाशंकर शामिल रहे।

प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया भ्रमण कटान प्रभावित लोगों को वितरित किया खाद्यान्न किट

जिला ब्यूरो चीफ रामेश्वर सिंह भदौरिया

बहराइच। जनपद में हो रही वर्षा के फलस्वरूप नदियों के जलस्तर में हुई बढोत्तरी के कारण जलभराव व बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाने के दृ

ष्टिगत प्रदेश के मा. मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच श्री सूर्य प्रताप शाही ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र व अन्य अधिकारियों के साथ जनपद के प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायज़ा लिया। सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री श्री शाही ने घाघराघाट स्थित केन्द्रीय जल आयोग के गेज स्टेशन पहुंचकर नदियों के जल स्तर के बारे में जानकारी प्राप्त की। मौके पर मौजूद अधि.अभि. प्रस्यू झेनेज खण्ड जे.पी. वर्मा ने प्रभारी मंत्री को नदियों के रूझान, जल स्तर एवं वाटर डिस्चार्ज के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

गेज स्टेशन के निरीक्षण के उपरान्त प्रभारी मंत्री श्री शाही ने घाघराघाट स्थित बाढ़ चौकी व चिकित्सा शिविर



का निरीक्षण कर बाढ़ पीड़ितों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। बाढ़ चौकी पर मौजूद ग्रामवासियों से संवाद करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार व प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी बाढ़ को लेकर अत्यन्त संवेदनशील मिर्जापुर सहित पूर्वान्वल के अन्य जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा होते ही मा. मुख्यमंत्री जी ने कमान संभाल ली। मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा तत्काल सभी सम्बन्धित अधिकारियों के साथ वर्युअल बैठक कर निर्देश दिया गया है कि तत्काल सभी एहतियाती कदम उठाये तथा बाढ़ पीड़ितों की हर संभव सहायता प्रदान की जाये।

प्रभारी मंत्री श्री शाही ने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि आपदा के दौरान प्रदेश सरकार, शासन व प्रशासन आपके साथ है। उन्होंने कहा कि जहाँ एक ओर भारत सरकार व प्रदेश सरकार आमजन के लिए अनेकों विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास कर रही है वहीं दूसरी ओर किसी भी दैवीय आपदा के समय पीड़ित का दुख दर्द बांटेने में भी पीछे नहीं है। श्री शाही ने कहा कि पीड़ित परिवारों का कुशल क्षेम जानने तथा जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के निर्देश दिये ताकि जिससे आवागमन में असुविधा न हो। इस अवसर पर डीएम, एसपी, सीडीओ, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह, एसडीएम राम दयाल, विधायक महसी के प्रतिनिधि अखण्ड प्रताप सिंह उर्फ गोल्डू भईया, पार्टी पदाधिकारी रामनाथ जायसवाल, संजय त्रिवेदी, शैलेन्द्र सिंह, राहुल राय, अरूणेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि व ग्रामवासी मौजूद रहे।

घाघराघाट बाढ़ चौकी के निरीक्षण के उपरान्त मा. प्रभारी मंत्री श्री शाही ने तहसील महसी अन्तर्गत ग्राम पूरे

गया। आयोजित ई लॉटरी में मिर्हीपुरवा की मालती देवी, बलहा के महेश कुमार गौतम, निजामुद्दीन, रमाकांत का रोटावेटर, ज्वाला देवी मिर्हीपुरवा का लेजर लैंड लेवलर, अनुज कुमार का पॉवर टिलर, अमनदीप बलहा का लेजर लैंड लेवलर, विनीत कुमार हुज़ूपुर का कॉम्बिन हार्वेस्टर, प्रेम नारायण का स्माल गोदाम, रिजवान अहमद का लेजर लैंड लेवलर, कृष्ण सिंह मिर्हीपुरवा का हैरो आदि कृषकों का चयन संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी एवं मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने चयनित किसानों को बधाई देते हुए कहा कि अतिशीघ्र कृषि यन्त्र का क्रय कर दर्शन 2.0 पोर्टल पर बिल सत्यापन हेतु अपलोड करना सुनिश्चित करे। जिससे कृषि विभाग द्वारा अनुदान आपके खाते में एस.एम.ए. स्पर्श के माध्यम से प्रेषित किया जा सके। उप

बाद अनुदान की धनराशि प्रेषित किया जा सके। उप निदेशक कृषि श्री विनय कुमार वर्मा ने चयनित किसानो से कहा कि कृषि यंत्र क्रय से पूर्व मूल्य का 50 प्रतिशत धनराशि विक्रेता के खाते में ट्रान्सफर किया जाये तथा सत्यापन के समय विक्रेता के खाते में प्रेषित धनराशि का स्क्रीनशाट संलग्न किया जाए।

इस अवसर पर समिति के सदस्य जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, एलडीएम जितेन्द्र कुमार मसंद, जिला सूचना विज्ञान अधिकारीयोगेश यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच के वरिष्ठ वैज्ञानिक/अध्यक्ष डॉ० सी.पी.एन. गौतम, प्रगतिशील कृषक राम प्रवेश मौर्या, लालता प्रसाद गुप्ता, श्रीमती माया देवी, अमित सिंह, निरंजन वर्मा सहित समस्त अधिकारी/पदाधिकारी एवं कृषकगण उपस्थित रहे।

भेज दिया जायेगा। इतना कहकर वो चले गए, जिसकी जानकारी फोन पर पत्नी द्वारा पीड़ित सलमान खान को दी गई, सुबह घर में न तो जेवरात मिले और न ही नगदी रखा एक लाख रुपया मिला जो पीड़ित ने संभाल कर रखे थे। घर में घुसते वक़्त नहीं थी कोई महिला पुलिस बताते चले जब विपक्षी घर में घुसे तब उनके साथ कोई महिला पुलिस कर्मियों की टीम नहीं थी, सभी पुरुष थे जिसके संबंध में जब स्थानीय थाने पर शिकायत पत्र दिया गया तो कोई करवाई नहीं हुई, जिससे प्रार्थी ने आहत होकर पुलिस अधीक्षक महोदय को लिफांका 29/07/2025 को लिखित शिकायती पत्र दिया, और जाँच व करवाई की मांग की है।



विपक्षीगण को देखकर डर गई व सहम गई, सभी विपक्षीगण पुलिस की वर्दी में थे, प्रार्थी के वृद्ध माता पिता ने घर ज़ब खट्टर पटर की आवाज सुनी तो तुरंत उठकर मौके पर पहुंचे और पूछा की आप कौन हो और बिना इजाजत घर में कैसे घुस आये, तो वर्दी में मौजूद विपक्षीगण ने अमद्र भाषा का प्रयोग करते हुए आगे बढ़ गए, और धमकी दी की अगर कड़ी शिकायत की तो फर्जी मुकदमे में जेल

हम जीयेंगे स्वदेशी के लिये और मरेंगे देश के लिये-योगी

शहीद हुये देश के सपूतों को योगी ने किया नमन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वर्तमान पीढ़ी से राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जियेंगे स्वदेशी के लिए, हम मरेंगे अपने देश के लिए। अपनी राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ कब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि आजादी का यह संदेश हम सबको इस उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीद हुए देश के सपूतों को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी



बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चांकलेट भी उपहार में दी। इसके बाद उन्होंने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया। मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिजनों को भी मंच पर सम्मानित किया, जबकि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना पर

आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ, जिसमें काकोरी ट्रेन एक्शन को उस घटना को प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी में जिन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खजाने पर कब्जा कर उस धन को जिसमें काकोरी ट्रेन एक्शन को उस घटना को प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी

1947 में देश आजाद हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि उस ट्रेन एक्शन में सिर्फ 4600 लूटे गए थे, लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें पकड़ने में 10 लाख से ज्यादा खर्च किए। उन क्रांतिकारियों (पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी और अन्य को बिना सुनवाई के फांसी दी गई। चंद्रशेखर आजाद ब्रिटिश हुकूमत के हाथ नहीं लगे, बल्कि वो स्वयं मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। आज यह शताब्दी महोत्सव उन महान क्रांतिकारियों के स्मरण का महान दिवस है। हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए नई प्रेरणा है। आज से 100 वर्ष पहले इस महान आजादी को लेकर जिन क्रांतिकारियों ने खुद को बलिदान दिया था, उनका पुनः स्मरण करके उनके प्रति कुतूहल जागृत करने के लिए हर देशवासी को प्राण प्रण से जुटना चाहिए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, लखनऊ की महापौर सुष्मा खर्कवाला पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, विधायक योगेश शुक्ला उपस्थित रहे।

अखिलेश पर बेसिक शिक्षा मंत्री का तीखा हमला

सपा राज में 3.45 करोड़ बच्चे थे स्कूल से दूर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था ठुठिकरा, भाई-भतीजावाद, नकल माफिया और लापरवाहियों की शिकार थी, जबकि भाजपा सरकार ने पारदर्शिता, निवेश और सोच के साथ इसे बदलने का कार्य किया है। उन्होंने 2015 के अखबार की कटिंग दिखाते हुए सपा मुखिया को आईना दिखाया और कहा कि सपा के राज में 3.45 करोड़ बच्चे स्कूल से दूर थे। संदीप सिंह ने कहा कि जब से भाजपा आई तभी पढ़ाई में जान आई।संदीप सिंह ने सपा मुखिया को घेरते हुए कहा कि 2012 से 2017 के बीच अखिलेश सरकार में एक भी ऐसा मॉडल स्कूल नहीं बना, जिसे राज्य गौरव से दिखा सके। उन्होंने कहा कि सपा ने शिक्षा हा ही नहीं, संस्कृति का भी अपमान किया। वहीं, भाजपा सरकार ने 2017 के बाद शिक्षा सुधार प्रयासों



पर निरंतर काम किया। ?11,500 करोड़ से अधिक की लागत से ‘ऑपरेशन कायाकल्प’ के अंतर्गत 19 बुनियादी सुविधाएं परिषदीय विद्यालयों में पहुंचाई गईं, जिनमें पेयजल, टॉयलेट, ब्लैकबोर्ड, फर्नीचर, बिजली, और क्लासरूम का सुदृढ़ीकरण शामिल है। संदीप सिंह ने कहा कि सपा सरकार के समय जहां बच्चों की संख्या घट रही थी, वहीं भाजपा सरकार ने इस प्रवृत्ति को रोका और इस वर्ष के स्कूल चलो अभियान में 27 लाख से अधिक बच्चों का नामांकन

परिषदीय विद्यालयों में हुआ।संदीप सिंह ने बताया कि हर जिले में दो मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक विद्यालय की लागत ७30 करोड़ है। इनमें नई एजुकेशन पॉलिसी 2020 के अनुरूप केजी से 12वीं तक की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था होगी। इसी प्रकार, सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं, जिनमें 18,000 से अधिक श्रमिक एवं अनाथ बच्चों को मुफ्त आवासीय शिक्षा, भोजन, खेलकूद व कौशल विकास की सुविधा दी जा रही है।

यह नहीं, यूपी के 1,722 स्कूलों (1565 परिषदीय, 157 माध्यमिक) को पीएमश्री स्कूल्स के अंतर्गत स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, खेल सामग्री और प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग से लैस किया जा रहा है। वहीं 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में लैब, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, टॉयलेट ब्लॉक और डॉमेस्ट्री की व्यवस्था की गई है।

यूपी में बाढ़ से हाहाकार, सरकार का कोई प्रबंध नहीं-अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में इन दिनों बाढ़ से हाहाकार मचा है। बाढ़ से 22 जिलों में हालत बहुत खराब है। गंगा, यमुना, राप्ती, सरयू, घाघरा नदियां उफनाई हुई हैं। बाढ़ की चपेट में तमाम लोग अपनी जान भी गंवा बैठे हैं। मुख्य मार्गों से कटे इलाकों में लोग बहुत सी परेशानियों से जूझ रहे हैं। खाने-पीने के सामान का संकट के साथ दवा-इलाज के लिए भी लोग तरस रहे हैं। पशुओं की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। उनके चारे की भी दिक्रत आ रही है। सरकार का कहीं कोई प्रबंध नहीं नजर आता है। उरई में सड़के पानी से लबालब भरी हुई है। बच्चों को दूध तक मयस्सर नहीं। उरई में पहली मंजिल तक पानी भरने से तमाम लोग बेघर हो गए हैं। 100 घरों तक पानी भरा गया है। दुकाने बंद हैं। प्रयागराज में 80 हजार प्रतियोगी छात्र लाज-कमरे छोड़कर चले गए हैं। 400 से अधिक लाइब्रेरी बंद हो गई हैं। शहर के 60 मोहल्ले और जिले के 90 गांवों में बाढ़ का पानी है। बाढ़ का पानी घरों के अन्दर बह रहा है। बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरो में या रिश्तेदारी में चले गए हैं। यही हाल प्रदेश के तमाम जनपदों का है। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ में भी भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। खेतों में पानी भरने से कमजोर पौधों के नष्ट होने की आशंका है। बाजरा, दलहन के फसलों को नुकसान होने से किसान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में इन दिनों बाढ़ से हाहाकार मचा है। बाढ़ से 22 जिलों में हालत बहुत खराब है। गंगा, यमुना, राप्ती, सरयू, घाघरा नदियां उफनाई हुई हैं। बाढ़ की चपेट में तमाम लोग अपनी जान भी गंवा बैठे हैं। मुख्य मार्गों से कटे इलाकों में लोग बहुत सी परेशानियों से जूझ रहे हैं। खाने-पीने के सामान का संकट के साथ दवा-इलाज के लिए भी लोग तरस रहे हैं। पशुओं की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। उनके चारे की भी दिक्रत आ रही है। सरकार का कहीं कोई प्रबंध नहीं नजर आता है। उरई में सड़के पानी से लबालब भरी हुई है। बच्चों को दूध तक मयस्सर नहीं। उरई में पहली मंजिल तक पानी भरने से तमाम लोग बेघर हो गए हैं। 100 घरों तक पानी भरा गया है। दुकाने बंद हैं। प्रयागराज में 80 हजार प्रतियोगी छात्र लाज-कमरे छोड़कर चले गए हैं। 400 से अधिक लाइब्रेरी बंद हो गई हैं। शहर के 60 मोहल्ले और जिले के 90 गांवों में बाढ़ का पानी है। बाढ़ का पानी घरों के अन्दर बह रहा है। बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरो में या रिश्तेदारी में चले गए हैं। यही हाल प्रदेश के तमाम जनपदों का है। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ में भी भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। खेतों में पानी भरने से कमजोर पौधों के नष्ट होने की आशंका है। बाजरा, दलहन के फसलों को नुकसान होने से किसान



चिंता में हैं। जर्जर मकान गिरने से कई लोग चोटिल हो चुके हैं। जब तब मौतें भी हो चुकी हैं। बिजली गुल होने से बड़ी आबादी की नौद हराम है। ट्रान्सफार्मर फुंक रहे हैं। करंट की चपेट में कई मौते हो चुकी हैं बिजली विभाग निरंकुश है। बाढ़ भरने से तमाम लोग बेघर हो गए हैं। 100 घरों तक पानी भरा गया है। दुकाने बंद हैं। प्रयागराज में 80 हजार प्रतियोगी छात्र लाज-कमरे छोड़कर चले गए हैं। 400 से अधिक लाइब्रेरी बंद हो गई हैं। शहर के 60 मोहल्ले और जिले के 90 गांवों में बाढ़ का पानी है। बाढ़ का पानी घरों के अन्दर बह रहा है। बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरो में या रिश्तेदारी में चले गए हैं। यही हाल प्रदेश के तमाम जनपदों का है। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ में भी भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। खेतों में पानी भरने से कमजोर पौधों के नष्ट होने की आशंका है। बाजरा, दलहन के फसलों को नुकसान होने से किसान



क्रांति दिवस की पूर्व संध्या पर हरदोई रोड स्थित शहीद स्मारक काकोरी में आयोजित जय हिन्द यात्रा में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य।

अमर शहीदों के योगदान का देश सदैव ऋणी रहेगा-अविनाश पाण्डेय

कांग्रेस ने शहीद स्मारक तक निकली जयहिंद यात्रा

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कहा कि देश पर अपना सब कुछ न्यौछावर कर देने वाले अमर शहीदों के योगदान का देश सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि पूरा अगस्त माह क्रांति का माह है, 1942 में इसी माह में भारत छोड़ो आंदोलन के क्रांतिकारी नारों से पूरा देश गूंज उठा था। यह बातें उन्होंने शुक्रवार को काकोरी क्रांति दिवस अजय राय के नेतृत्व में हजारों लोग हाथों में तख्तियाँ व तिरंगा लेकर शहीदों के नारे लगाते हुए शहीद स्मारक पहुंचे, और वहां अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद,

रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला, रोशन सिंह व राजेन्द्र लाहिड़ी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हँसते-हँसते अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को हम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं एवं युवा पीढ़ी का आग्रह करते हैं कि वह अपने जीवन में देश के प्रति वही भाव पैदा करे जो हमारे क्रांतिकारियों ने। जबकि नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा ने कहा कि यह अमर शहीदों का संघर्ष ही था जिसने देश को न सिर्फ अंग्रेजों से आजाद कराया बल्कि पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया।

कार्यक्रम के संयोजक मो. हनीफ खान ने अतिथियों का स्वागत किया और जय हिन्द यात्रा में शामिल हुए सभी देशभक्तों का धन्यवाद अदा

रक्षा बंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते का उत्सव-भूपेंद्र



लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पावन रक्षाबंधन पर्व पर प्रवेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते का उत्सव है। यह

विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और उत्तरदायित्व का जीवंत प्रतीक है। यह पवित्र रक्षा बंधन परिवार में आपसी प्रेम, सामाजिक सौहार्द और महिलाओं के प्रति आदर की भावना का समर्पित है। उन्होंने कहा, रक्षाबंधन हमें यह भी स्मरण कराता है कि भाई अपनी बहन की रक्षा को संकल्पित है, वैसे ही हम सभी को राष्ट्र, संस्कृति, पर्यावरण और राष्ट्रीय सम्पदाओं की रक्षा एवं संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व उत्सव के साथ ही समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का अवसर भी है। रक्षाबंधन का यह संदेश हमें एक-दूसरे की रक्षा, सहयोग और उत्थान के लिए प्रेरित करता है। आज स्वदेशी से स्वावलंबी भारत के संकल्प के साथ हमसभी रक्षा बंधन पर्व मनायें। सभी को शुभकामनाएँ।

मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर्व पर दी शुभकामनाएं

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। बधाई सन्देश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पारस्परिक प्रेम, स्नेह व विश्वास का त्योहार है। यह पर्व कर्तव्य, आत्मीयता, त्याग, सामाजिक एकता व सद्भाव की भावना का प्रतीक है। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व तो है ही, यह भारत की युग-शिष्य परम्परा का त्योहार भी है। रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण मास में आश्रम परम्परा में अध्ययन और यात्र आदि कर्म के उपरान्त यजमानों और शिष्यों की रक्षासूत्र बांधने की प्रथा थी, जिसका पालन रक्षाबंधन के रूप में भी किया जाता है। रक्षाबंधन का त्योहार समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ाने का कार्य भी करता है। यह दान के महत्व को प्रतिष्ठित करने वाला पावन त्योहार है।

हर घर तिरंगा अभियान की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और जनभागीदारी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश में 4.60 करोड़ झंडे फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने जनभागीदारी को अभियान की सफलता का आधार बताते हुए सभी वर्गों को जोड़ने पर बल दिया। देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए तिरंगा महोत्सव, तिरंगा रैली, म्यूजिकल कॉन्सर्ट जैसे विविध आयोजन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय स्तर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों में

देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए शुरू किया गया है। जनभागीदारी बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया, रेडियो, टीवी, और स्थानीय प्रचार माध्यमों के जरिए लोगों को वॉलंटियर बनने और हर घर तिरंगा सेल्फी अपलोड करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों, स्वयं सहायता समूहों, स्वयंसेवी संस्थाओं, ग्राम पंचायतों, युवा संगठनों, स्थानीय क्लबों और छात्र-छात्राओं की व्यापक व सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत अभियान अवधि में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों व शिक्षण संस्थानों में खादी से निर्मित राष्ट्रीय

ध्वज फहराया जाए और झंडों की आपूर्ति खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को एनजीओ, लघु उद्योगों, निजी सिलाई केंद्रों और अन्य उत्पादन इकाइयों के साथ समन्वय कर झंडों का उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार को पद्म अवार्ड के लिए नाम भेजा जाना है, जिसकी अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2025 है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व प्रत्येक जनपद से खेल, शिक्षा या अन्य क्षेत्रों से संबंधित 6-6 प्रतिभाशाली व्यक्तियों के नाम शासन को उपलब्ध कराएं। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

बाराबंकी बस हादसे पर सीएम योगी ने बताया दुख

लखनऊ। बाराबंकी के हैदरागढ़ क्षेत्र में आज सुबह रोडवेज की अनुबंधित बस पर पेड़ गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में हुई जनहानि पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया “मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद बाराबंकी में सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

लापरवाही बरतने पर चार शिक्षा अधिकारी निलंबित

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग के विभागीय कार्यों में लापरवाही पर शासन के निर्देश पर शिक्षा निदेशक बेसिक द्वारा चार खंड शिक्षा अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। डॉ ब्रजेश मिश्र सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक द्वारा जारी निर्देश के तहत कहा गया है कि बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन नहीं करने एवं विभागीय दिशा निर्देशों का पालन करने में चार खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा घोर लापरवाही बरती गई। विभागीय समीक्षा के दौरान कार्यों में लापरवाही बरतने पर जनपद बुलंदशहर के पहासू ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी अमित गुप्ता एवं जनपद हाथरस के विकासखंड सहायक खंड शिक्षा अधिकारी सुल्तान अहमद को निलंबित कर दिया गया है। डॉक्टर ब्रजेश मिश्र सहायक शिक्षा निदेशक के द्वारा जारी निलंबन आदेश के तहत जनपद हाथरस के ही विकासखंड सासन की कार्यरत खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह के खिलाफ भी शासन को व्यापक पैमाने पर अनियमितता बरते जाने की शिकायतें प्राप्त हुईं।

खाद के लिये दर-दर भटक रहे किसान, जमकर हो रही कालाबाजारी

न सहकारी समितियों पर मिल रही समुचित खाद न अधिकृत दुकानों पर

लखनऊ। किसानों को खाद और बीज के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। सरकार बराबर दावा कर रही है कि प्रदेश में न उर्वरक की कमी है न ही उन्नत किस्म के बीजों की। दावे हैं दावों का क्या, किये जाते हैं लेकिन धरातल पर हालात विषम और विपरीत हैं न सहकारी समितियों पर पर्याप्त उर्वरक है और न ही खाद बीज के विक्रेताओं के पास पर्याप्त उर्वरक है। जिस भी दुकान पर खाद है, वो मन्मानी कीसतों पर बेंच रहे हैं।निर्धारित दर पर बिज्जी के केवल दावे किए जा रहे हैं। दुकांदार यूरिया के साथ कोकी कोटानाशक या फिर ज्विक अथवा कोई और रसायन जबरन महंगी दर पर बिना जरूरत खरीदने को मजबूर करते हैं। कृषि महकमे के आला ओहदेदार दप्तरों से बाहर आने को रोकती नहीं हैं। उर्वरक विक्रेताओं के यहाँ चैकिंग के नाम पर खानापूर्ति होती है। शिकायतें आती हैं जरूर लेकिन उन्हें तरजीह ही नहीं मिलती।सच यह है कि विभाग के जिम्मेदार हकीकत से वाकिफ हैं



लेकिन मौन साधे रहते हैं। कालाबाजारी पर नियंत्रण नहीं है। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही बराबर दौरे कर रहे हैं। कहते हैं कि प्रचुर मात्रा में खाद उपलब्ध है। केंद्र से भी सहयोग मांगने के लिए दिल्ली दौरा कर चुके हैं। आये दिन प्रतिष्ठानों और खाद की दुकानों की ओर चैकिंग भी करने जा पहुंचते हैं।लेकिन अफसर तो कालाबाजारी करने वालों पर मेहरबान है।कृषि मंत्री बहराइच दौरे पर बाद प्रभावित लोगों से मिलने पहुंचे तो भी खाद

की स्थिति की पड़ताल करने से नहीं चूके।उत्तर का शाहद ही कोई जिला ऐसा हो जहां के किसानों को खाद की लाइन में घण्टो न लगना पड़ रहा हो।किसानों को पुलिस की लाटियां खाद के लिए खानी पड़े, यह तो चिंताजनक जरूर है।प्रदेश के दूरस्थ जिलों में हालत ज्यादा खराब है। शासन ने कहा है कि खतौनी देखकर खाद वितरण किया जाये।बावजूद इसके किसान परेशान हैं। सहकारी समितियों पर न जाने कब खाद आती है और कब खत्म हो जाती

है।नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडे तो साफआरोप लगा रहे हैं कि सरकारी दावे झूठे हैं।किसान बदहाल हैं।लखनऊ ही नहीं बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, रायबरेली, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, पौरोहपुर, गोडा, बहराइच,मिर्जापुर, सिद्धार्थनगर, बलिया, महाराजगंज आदि में खाद की किल्लत किसानो को झेलनी पड़ रही है।बाराबंकी जनपद की तहसील रामसेनही घाट क्षेत्र में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि किसानों को खाद के लिए परेशान न होने पाये।इसलिए अफसरों को साफकहा गया है कि वे स्वयं मॉनिटरिंग करें, लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। सहकारी समितियों पर खाद समुचित रूप से उपलब्ध हो और किसान निर्धारित रेट पर मिले।इसके लिए तहसीलदार रामसेनही घाट महिमा शर्मा ने यूरिया खाद के लिए टोकन व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया ताकि अकारण भीड़ न हो और सभी पात्र किसानों को उर्वरक मिल सके।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरुण आफसेट, एल0जी0एफ0 5—14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ— 226001 से मुद्रित तथा 486/238—डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ—226020 से प्रकाशित।

सम्पादक— शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोट: समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।